मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 43, मुंबई, गुरुवार, 10 मार्च, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)
अब हर सच होगा उजागर

फडणवीस समेत बीजेपी के नेताओं को
लिया गया हिरासत में

हिरासत से छोड़े जाने के बाद फडणवीस ने कहा, संघर्ष जारी रहेगा। मोर्चा को संबोधित करते हुए सुधीर मुनगंटीवार ने पुष्पा फिल्म के डायलॉग का इस्तेमाल करते हुए कहा कि बीजेपी का चुनाव चिन्ह कमल है तो फ्लावर समझे क्या? फ्लावर नहीं फायर है। जब तक नवाब मलिक का इस्तीफा नहीं हो जाता, तब तक फायर बुझेगा नहीं।

नवाब मलिक के इस्तीफे की मांग लिए मुंबई में निकाल रहे थे मोर्चा

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के आजाद मैदान से मेट्रो सर्कल तक बुधवार को बीजेपी ने विराट मोर्चा निकाला। बीजेपी महा विकास सरकार में मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक के इस्तीफे की मांग कर रही है। सैकड़ो की संख्या में तैनात मुंबई पुलिस ने मेट्रो सिनेमा के पास मोर्चा को रोक कर बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं से शांत रहने को कहा। लेकिन बीजेपी नेता और कार्यकर्ता विधानभवन तक जाने के लिए अड़े हुए थे। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मानहानि मामले में कंगना रनौत को अंधेरी सेशंस कोर्ट से झटका

केस ट्रांसफर करने की मांग की याचिका हुई खारिज

संवाददाता

मुंबई। काफी समय से अभिनेत्री कंगना रनौत और गीतकार जावेद अख्तर के बीच नोंक-झोंक चल रही है। मानहानि का ये मामला कोर्ट पहुंचा जिस पर कंगना ने उसे ट्रांसफर करने की मांग की थी लेकिन अब सेशंस कोर्ट ने ट्रांसफर की मांग वाली कंगना की याचिका को ट्रांसफर करने से मना कर दिया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

महाराष्ट्र में बेमौसम बरसात

नासिक में अंगूर, प्याज तो कोंकण में आम, काजू बर्बाद

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। पिछले दो दिनों से महाराष्ट्र में एक बार फिर बेमौसम बरसात ने रबी की फसलों और फल के बागानों को काफी नुकसान पहुंचाया है। नासिक जिले के प्याज और अनार के बागों को बर्बाद करने के बाद अब यह बेमौसम बरसात ने कोंकण के इलाकों की ओर कूच किया है। यहां रबी की फसलें नहीं बल्कि आम और काजू के बागों पर असर हो रहा है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

किसानों में हाहाकार है- मौसम, मार्केट, मंत्रियों की मार है

किसानों पर चारों तरफ से मार पड़ रही है। एक तो वो अपने हालात से मारा हुआ है। दूसरा मौसम मार रहा है, तीसरा सरकार सहायता नहीं कर रही है, चौथा बाजार में उत्पादों की कीमतें गिर रही हैं।

नवाब मलिक की बॉम्बे हाई कोर्ट से अपील
जेल से रिहाई संबंधी अंतरिम आदेश पारित करने का किया अनुरोध

मुंबई। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक ने बुधवार को बॉम्बे हाई कोर्ट से उन्हें हिरासत से रिहा करने संबंधी अंतरिम आदेश पारित किये जाने का अनुरोध किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले महीने मलिक को गिरफ्तार किया था। मलिक के वकील अमित देसाई ने अदालत में कहा, पुलिस अधिकारी, काल्पनिक आधार पर, संगठित अपराध के मामले में उनकी संलिप्तता की आशंका में किसी को भी बदनाम नहीं कर सकते। यह मेरा अनुरोध है। उन्होंने न्यायमूर्ति पी. बी. वरले की अगुवाई वाली पीठ को बताया कि मंत्री दो दशक पहले एक वास्तविक लेनदेन में संपत्ति (जो ईडी की जांच का हिस्सा है) को लेकर सवालों के घेरे में आये थे। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

12-17 साल के किशोरों को लगेगी कोवोवैक्स
डीसीजीआई ने दी सशर्त मंजूरी

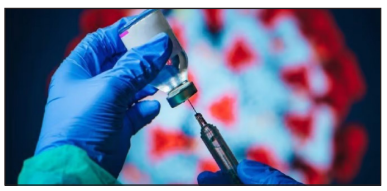

मुंबई हलचल / संवाददाता

नई दिल्ली। भारत के दवा नियामक ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के कोविड-19 वैक्सीन कोवोवैक्स को कुछ शर्तों के तहत 12-17 वर्ष आयु वर्ग के लिए सीमित आपातकालीन उपयोग की अनुमति दी है। यह 18 वर्ष से कम उम्र के लोगों के बीच उपयोग के लिए नियामक की अनुमति हासिल करने वाला चौथा टीका है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

पाला बदल की चिंता

राज्य हो या केंद्र, चुनाव में जब स्पष्ट बहुमत का अभाव हो जाता है, तो गठबंधन या दलबदल की जरूरत पड़ने लगती है। अतः जिन राज्यों में ऐसी आशंका है, वहां सभी दल अपने-अपने ढंग से बचाव में जुट गए हैं। गोवा के बारे में सूचना है कि कांग्रेस अपने प्रत्याशियों को लेकर सचेत हो गई है। उसे दलबदल का भय सताने लगा है। खबर यहां तक है कि गोवा कांग्रेस ने दलबदल के भय से अपने प्रत्याशियों को रिजॉर्ट में भेज दिया है। अपने विधायकों को दलबदल या खरीद-फरोख्त से बचाने के लिए यह तरीका नया नहीं है। बड़ी-छोटी अनेक पार्टियों में समय-समय पर ऐसी अप्रिय स्थितियां पैदा हुई हैं। गोवा में कांग्रेस का ताजा भय आधारहीन नहीं है। 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने गोवा की 40 में से 17 सीटों पर जीत हासिल की थी, पर 13 सीटें जीतने के बावजूद छोटी पार्टियों और निर्दलीयों की मदद से भाजपा सरकार बनाने में कामयाब हुई थी। भाजपा की राजनीतिक तैयारी या चेष्टा का कोई तोड़ कांग्रेस के पास नहीं था। कांग्रेस उस दलबदल से इतनी कमजोर हो गई थी कि बाद में उसके 15 विधायक भाजपा में शामिल हो गए थे। किसी भी पार्टी को बुरा ही लगेगा, यदि उसके नेता ज्यादा विधायक के बावजूद सरकार न बना पाएं या किसी छोटी पार्टी के पास भले ही चंद विधायक हों, लेकिन अगर वे सत्ता के लिए पार्टी छोड़ जाएं, तो उन्हें रोकने के लिए कोई नियम-कायदा तय नहीं है। क्या इसके लिए कानून बनाने की जरूरत नहीं है? क्या राजनीति में वांछित-वाजिब नैतिकता की बहाली हो सकती है? यह दुखद ही है, जब पार्टियां जीतने के बाद पाला या गठबंधन बदल लेती हैं, तब तय संख्या में अपने नेताओं को दलबदल विरोधी कानून से बचते हुए पार्टी से बाहर जाने से कैसे रोका जा सकता है? साफ है, दलबदल विरोधी कानून तो अभी भी है, लेकिन उसकी खामियों या अपर्याप्तता को राजनेता ठीक से समझ गए हैं। कांग्रेस ही नहीं, कोई भी पार्टी यह नहीं चाहेगी कि ज्यादा सीटें जीतने के बावजूद वह सरकार न बना पाए, लेकिन कायदा यह भी है कि किसी पार्टी को अगर ज्यादा सीटें मिलें, तो वह गठबंधन करते हुए सरकार बनाने के पूरे प्रयास करे। गठबंधन के दौर में समस्या यह हो गई है कि मतदाता जिन नेताओं को विपक्ष में बैठने के लिए मत देते हैं, वे भी सत्ता पक्ष में शामिल होने को लालायित रहते हैं। छोटी-छोटी पार्टियों को भी सत्ता में हिस्सेदारी मिल जा रही है और खूब सीटें जीतने वाली पार्टी भी विपक्ष में सुशोभित हो रही है। दरअसल, बहुदलीय व्यवस्था के साथ यह समस्या हमेशा रहेगी। चूंकि सत्ता पाना राजनीति का एकमात्र लक्ष्य होता जा रहा है, इसलिए भी पाला बदल का खतरा बढ़ता जा रहा है। हर चुनावी राज्य में विशेष रूप से छोटे दलों में ज्यादा बेचैनी होगी। कुछ दल ऐसे होंगे, जो किसी भी पक्ष या गठबंधन के साथ चले जाएंगे। गोवा में जो कोशिशें चल रही हैं, उनके अनुसार, केवल कांग्रेस ही नहीं, भाजपा भी फिर सरकार बनाने के लिए जोड़-गठबंधन के लिए जुट गई है। यदि गठबंधन से ही सरकार बननी है, तो किसी पार्टी के ज्यादा सीटें जीतने या बहुमत से पीछे रह जाने का कोई अर्थ नहीं है। नेताओं और राजनीतिक दलों को सचेत रहना चाहिए कि जरूरत पड़ ही जाए, तो सभ्यता-शालीनता के साथ गठबंधन बने और लोगों को अच्छी सरकारें मिलें। जब लोगों को अच्छी सेवाभावी सरकार मिल जाती है, तो राजनेताओं और राजनीति के दोष कम दिखने लगते हैं।

सर्वेक्षणों की नौटंकी बंद होनी चाहिए

आजकल मतदान कई चरणों में होते हैं और पहले चरण के मतदान से दो दिन पहले तक ओपिनियन पोल प्रसारित होते हैं, जिनके जरिए मतदाता के व्यवहार को प्रभावित किया जाता है। उसके बाद एक्जिट पोल के जरिए भी मतदाताओं को खास किस्म के नतीजे को स्वीकार करने के लिए मनोवैज्ञानिक रूप से तैयार किया जाता है। इससे यह धारणा बनाई जाती है कि एक खास पार्टी ही मतदाताओं की पहली पसंद है और इसलिए उसे अधिकार है कि वह किसी तरह से अपनी सरकार बनाए। इसका इस्तेमाल जनादेश को बदलने के लिए किया जा रहा है। इसके जरिए चुनाव प्रक्रिया को प्रदूषित किया जा रहा है। इसलिए इसे तत्काल बंद करना चाहिए।

भारत गजब नौटंकी पसंद देश है। हम भारतीयों को हर किस्म की नौटंकी पसंद है। पुराने जमाने में नौटंकी करने वालों की मंडली होती थी, जो घूम घूम कर नौटंकी दिखाती थी। बाद में नौटंकी मंडलियां बंद हो गईं क्योंकि देश के नेताओं और मीडिया समूहों ने 24 घंटे नौटंकी दिखाने का जिम्मा संभाल लिया। नेता झाड़ू उठा कर सफाई करने की नौटंकी करते हैं, गरीब-दलित के घर खाना खाने की नौटंकी करते हैं, मंदिरों में मल्टी कैमरा सेटअप के साथ पूजा करने का दिखावा करते हैं, दूसरों के बच्चों को पुचकारने का तमाशा करते हैं, कभी आंसू बहाते हैं तो कभी ठहाके लगा कर लोगों का मनोरंजन करते हैं, वेश बदल बदल कर जनता के सामने प्रकट होते हैं और जनता इसमें मगन रहती है। 24 घंटे चलने वाले न्यूज चैनल भी कोई न कोई तमाशा दिखाते ही रहते हैं। इन्हीं नौटंकियों में से एक नौटंकी चुनाव से पहले होने वाले ओपिनियन पोल और चुनाव के बाद होने वाले एक्जिट पोल हैं। ओपिनियन और एक्जिट पोल सिर्फ इसलिए नौटंकी नहीं हैं कि ये लगभग हर बार गलत होते हैं, बल्कि इसलिए हैं क्योंकि इसमें शामिल सभी लोगों को पता होता है कि यह असली चीज नहीं है। सर्वेक्षण करने वाली एजेंसियों से लेकर उन्हें दिखाने और छापने वाले मीडिया समूहों और दूसरे हितधारकों मतलब पार्टियों, नेताओं और मतदाताओं को भी पता होता है कि यह नौटंकी है। असल में सर्वेक्षणों की अवधारणा भारत जैसे देश के लिए है ही नहीं। यह पश्चिम के उन विकसित देशों के लिए है, जहां चुनाव लड़ने वाली पार्टियां कम हैं, जहां उम्मीदवार कम होते हैं, जो समाज एकरूपता वाला है, मतदाता पढ़े-लिखे व मुखरता से सचाई बयान करने वाले हैं, जहां मतदाता पार्टियों के हिसाब से स्पष्ट रूप से बंटा हुआ या पार्टियों के साथ पंजीकृत होता है और सबसे ऊपर जहां सर्वेक्षण करने और उन्हें दिखाने वाली एजेंसियां अपने काम के प्रति ईमानदार और जवाबदेह होती हैं। इसलिए वहां सर्वेक्षण आमतौर पर सही साबित होते हैं। भारत में इसका उलटा होता है। भारत में सर्वेक्षण करने वाली एजेंसियां और उन्हें प्रकाशित-प्रसारित करने वाले मीडिया समूह दोनों पूर्वाग्रह के साथ अपने सर्वेक्षण दिखाते हैं। यह संदेह अपनी जगह है कि वे सर्वेक्षण करते भी हैं या कंप्यूटर पर सीधे नतीजे तैयार करते हैं। उनके पूर्वाग्रह भी कई तरह के होते हैं। वैचारिक भी और आर्थिक भी, जाति का भी और धर्म का भी!

पश्चिमी देशों के उलट भारत में अत्यधिक विविधता है। पूरा देश भाषा-बोली, जाति-धर्म, अमीर-गरीब, शिक्षित-अनपढ़ में बंटा हुआ है। दुनिया के किसी भी देश में पहचान की इतनी विविधता नहीं है। कहने की जरूरत नहीं है कि अलग अलग पहचान वाला मतदाता समूह बिल्कुल अलग अलग तरीके से व्यवहार करता है। मतदाताओं के इसी व्यवहार के आधार पर पार्टियां बनी हुई हैं। दूसरी बात यह है कि भारत में पश्चिम के विकसित व सभ्य लोकतांत्रिक देशों की तरह मतदाता पार्टियों के साथ पंजीकृत नहीं हैं। पार्टियां दावा जरूर करती हैं कि उनके पास काडर है और कार्यकर्ता हैं लेकिन असल में किसी दल के साथ प्रतिबद्धता वाले मतदाता समूह का आकार बहुत छोटा है। तीसरी बात यह है कि मतदाता शायद ही कभी सच बोलता है। वह हर पार्टी को वोट देने का वादा करता है। मीडिया का माइक देखते ही बोलने के लिए प्रेरित जरूर होता है लेकिन उस समय वह सच बोल रहा हो, ऐसा जरूरी नहीं होता है। ज्यादातर लोग अपने को किसी पार्टी के साथ खुल कर जोड़ने से बचते हैं क्योंकि उनको चुनाव बाद किसी मुश्किल में फंसने का अंदेशा होता है। चौथी बात यह है कि भारत में चुनाव में प्रलोभन या दबाव का बड़ा हाथ होता है। पार्टियां खुल कर खैरात बांटती हैं। चुनाव के समय शराब और साड़ी बांट कर या नकद पैसे बांट कर वोट खरीदे जाते हैं। अभी जिन पांच राज्यों में चुनाव हुए हैं उनमें प्रचार के दौरान चुनाव आयोग ने एक हजार करोड़ रुपए की नकद रकम जब्त की है। सोचें, इतनी रकम जब्त हुई है तो चुनाव में इस्तेमाल कितनी हुई होगी? सो, किसी के कहने भर से या किसी फॉर्मूले या कंप्यूटर में बने टेम्पलेट के आधार पर भारत में नतीजों की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है। अगर आंकड़ों के नजरिए से देखें तब भी यहीं बात सामने आती है। भारत में आंकड़ों के जरिए इस बात की पुष्टि हो सकती है कि जिस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी लड़ रही होती है और मुख्य मुकाबले में होती है वहां ओपिनियन और एक्जिट पोल में वहीं जीतती है, चाहे वास्तविकता कुछ भी हो। मिसाल के तौर पर पिछले साल मार्च-अप्रैल में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को देखा जा सकता है। पश्चिम बंगाल में दो मई 2021 को नतीजे आए थे। उससे पहले 29 अप्रैल को मीडिया समूहों ने उसी तरह एक्जिट पोल का प्रसारण किया था, जैसे अभी कर रहे हैं। एक न्यूज चैनल को छोड़ कर किसी को बंगाल का एकतरफा चुनाव नहीं दिखा था। इंडिया टुडे-एक्सिस ने त्रिशंकु विधानसभा का अनुमान जताया था और भाजपा व तृणमूल को बिल्कुल बराबरी पर रखा था। एबीपी न्यूज-सी वोटर ने भाजपा की 158 सीट के साथ पूर्ण बहुमत की सरकार बनने की भविष्यवाणी की थी। टीवी-9 भारतवर्ष, न्यूज एक्स, टुडेज चाणक्य, डीबी लाइव जैसे सभी मीडिया समूहों ने भाजपा की सरकार बनने की भविष्यवाणी की थी। सभी एक्जिट पोल का औसत भाजपा को 150 सीट मिलने का था, जबकि उसे सिर्फ 77 सीटें मिलीं। बिहार, झारखंड, दिल्ली हर जगह यहीं ट्रेंड देखने को मिला है। अब सवाल है कि भारत में मौसम विभाग की भविष्यवाणी भी कभी सही नहीं होती है फिर भी इतना बड़ा विभाग चल ही रहा है इसलिए ओपिनियन और एक्जिट पोल भी चलते रहें तो क्या हो जाएगा? बहुत कुछ हो जाएगा क्योंकि इनका इस्तेमाल एक हथियार के तौर पर होने लगा है। आजकल मतदान कई चरणों में होते हैं और पहले चरण के मतदान से दो दिन पहले तक ओपिनियन पोल प्रसारित होते हैं, जिनके जरिए मतदाता के व्यवहार को प्रभावित किया जाता है। उसके बाद एक्जिट पोल के जरिए भी मतदाताओं को खास किस्म के नतीजे को स्वीकार करने के लिए मनोवैज्ञानिक रूप से तैयार किया जाता है। इससे यह धारणा बनाई जाती है कि एक खास पार्टी ही मतदाताओं की पहली पसंद है और इसलिए उसे अधिकार है कि वह किसी तरह से अपनी सरकार बनाए। इसका इस्तेमाल जनादेश को बदलने के लिए किया जा रहा है। इसके जरिए चुनाव प्रक्रिया को प्रदूषित किया जा रहा है। इसलिए इसे तत्काल बंद करना चाहिए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

शिलफाटा के केला कंपाउंड में लगी भीषण आग

4 गोदाम जलकर हो गए स्वाहा

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। शिलफाटा के केला कंपाउंड में भीषण आग लगने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में मिली जानकारी के अनुसार शिलफाटा केला कंपाउंड में अनगिनत प्लास्टिक स्क्रैप चिंदी कपड़े के गोदामों की भरमार है और किसी एक गोदाम में आग लगने के बाद अन्य तिन गोदाम जलकर स्वाहा हो गए गोदाम के मालिक का नाम वाहिद कुरेशी जावेद कुरेशी बताया जा रहा है यह घटना मंगलवार 8 मार्च सवेरे हुई लगी आग ने भीषण रूप

धारण कर इलाके में दहशत फैला दी और चारों ओर आग के काले गोले देखने को मिले वह तो गनीमत थी की इन गोदामों के पास मोबाइल टावर भी था अगर आग मोबाइल टावर में लग जाती है तो बहुत बड़ी दुर्घटना हो सकती थी फिलहाल भीषण आग की सूचना मिलते ही ठाणे मनपा प्रशासन की अग्निशमन दल की 5 गाड़ियां ने 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन आग लगने के कारण अभी पता नहीं चल पाया है भीषण आग में माली नुकसान तो लाखों का हुआ है लेकिन कोई जानी नुकसान की घटना सामने नहीं आई है घटनास्थल पर टोरेंट पावर कंपनी के कर्मचारी और शिल डाइगर पुलिस स्टेशन के एपीआई सुनील सकपाल ने इस घटना में फिलहाल आग लगने का मामला दर्ज किया है और यह आग किस कारण लगी है यह छानबीन करने में जुटी है।

हिजाब गर्ल मुस्कान का महाराष्ट्र के औरंगाबाद में होगा सम्मान

औरंगाबाद। कुछ दिनों पहले कर्नाटक का हिजाब विवाद पूरे देश की सुर्खियां बना था। कई लोगों ने इसका विरोध तो कईयों ने समर्थन किया था। फिलहाल यह मामला काफी हद तक शांत नजर आ रहा है। हालांकि महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर में अब यह मुद्दा तूल पकड़ता हुआ नजर आ रहा है। दरअसल वंचित बहुजन अघाड़ी की तरफ से मुस्कान खान के सत्कार की घोषणा की गई है। जब से वीबीए पदाधिकारियों ने यह घोषणा

की है, तब से शहर में बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया है। यह सत्कार समारोह ना होने पाए, इसलिए पुलिस कमिश्नर को पत्र भी दिया गया है। ऐसी सूरत में वंचित बहुजन अघाड़ी और बीजेपी के आमने सामने आने की अटकलें भी चल रही है। वंचित बहुजन अघाड़ी के नेता प्रकाश आंबेडकर के हाथों कर्नाटक की हिजाब गर्ल मुस्कान खान का 14 मार्च को सम्मान किया जाना है। बीजेपी शहर अध्यक्ष ने चेतावनी दी है कि अगर मुस्कान का सत्कार हुआ तो सड़क पर उतर कर आंदोलन किया जाएगा।

भायखला नकली करेंसी मामले में पुणे से पकड़ा गया व्यक्ति

मुंबई। शहर की अपराध शाखा ने तीन साल पुराने जाली नोट मामले में पुणे से 25 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी मोहम्मद शमीम आलम पिछले तीन साल से फरार है। जुलाई 2019 में, अपराध शाखा इकाई 3 ने भायखला क्षेत्र से 2000 रुपये मूल्यवर्ग के 35 नकली नोटों के साथ दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान आलम का नाम सामने आया। हालांकि वह फरार था।

बहू की आत्महत्या के मामले में 82 वर्षीय व्यक्ति को 5 साल की जेल की सजा

मुंबई। 11 साल पहले एक 82 वर्षीय व्यक्ति का अपनी बहू के प्रति व्यवहार, जो आत्महत्या से मर गया था, न केवल 'असभ्य' और 'असमानी' था, बल्कि 'अमानवीय' भी था, एक सत्र अदालत ने उसे सजा सुनाई। पांच साल का कठोर कारावास। अदालत ने वसंत मोरकर को भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए और धारा 306 तहत दोषी पाया। इसने कहा कि उसने अपनी 36 वर्षीय बहू प्रिया मोरकर को नशे की हालत में नियमित रूप से प्रताड़ित किया, उसे जान से मारने की धमकी दी और इस तरह उसका मानसिक उत्पीड़न किया। प्रिया के इलाज को ध्यान में रखते हुए, उसने कहा कि यह सिर्फ उसे एक बड़ी सजा पर विचार करने के लिए है, लेकिन उसकी उम्र पर विचार किया और उसे सजा सुनाई यह नोट किया गया कि घटना के एक महीने पहले से, उसकी ओर से लगातार उसके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा था। अदालत ने कहा कि यह राय है कि उसने उसे आत्महत्या के लिए उकसाया और उकसाया। इसने अपने फैसले में कहा कि उसके 12 साल के बच्चे के भोजन और बुनियादी जरूरतों पर झगड़े शुरू हो गए थे जो किसी भी महिला के लिए असहनीय होता और फिर भी ऐसा लगता है कि उसने इसे वहन किया है और उसी घर में रहती है। अदालत ने बेटे के सबूतों को

नोट किया, जो 20 साल का था जब उसने अदालत के सामने गवाही दी, और कहा कि मोरकर उसके साथ झगड़ा करता रहा और उसे भूतल के घर को छोड़ने और गैलरी में शरण लेने के लिए मजबूर किया गया। किसी भी बहू से यह उम्मीद नहीं की जाती है कि उसके साथ इस तरह का अमानवीय व्यवहार किया जाएगा और उसे घर की दीर्घा में रहने दिया जाएगा, वह भी एक साल के लिए। अदालत ने उसकी मौत से एक दिन पहले एक घटना पर भी टिप्पणी की, जिसमें मोरकर ने अपने किरायेदार से प्रिया के खिलाफ शिकायत दर्ज करने के लिए कहा था, जब उनका एक छोटे से मुद्दे पर झगड़ा हुआ था।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

फडणवीस समेत बीजेपी के नेताओं को लिया गया हिरासत में

इस पर मुंबई पुलिस ने मोर्चा का नेतृत्व कर रहे देवेंद्र फडणवीस समेत प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटील, सुधीर मुनगंटीवार, विधान परिषद में विपक्षी नेता प्रवीण दरेकर,आशिष शेलार और अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया। मोर्चे में मुंबई अध्यक्ष मंगल प्रभात लोढा, नीतेश राणे, प्रसाद लाड, किरीट सोमैया, औरअतुल भातखलकर जैसे कई बड़े नेता शामिल हुए। इसके बाद पुलिस ने बीजेपी के कार्यकर्ताओं को घटनास्थल से निकल जाने को कहा और घटनास्थल पर बैरिकेट्स लगाकर उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इस बीच देवेंद्र फडणवीस ने भी बीजेपी कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि वे पुलिस के साथ सहयोग करें और उनके साथ जोर-जबर्दस्ती ना करें। इसके बाद हिरासत में लिए गए नेताओं को येलो गेट पुलिस स्टेशन में लाया गया। एक घंटे तक थाने में हिरासत में लिए गए नेता नारेबाजी करते रहे। एक घंटे बाद इन नेताओं को छोड़ दिया गया। पुलिस द्वारा छोड़े जाने के बाद देवेंद्र फडणवीस ने पुलिस स्टेशन के बाहर खड़े पत्रकारों से कहा कि जब तक नवाब मलिक का इस्तीफा नहीं हो जाता, बीजेपी संघर्ष करती रहेगी।

महाराष्ट्र में बेमौसम बरसात

दो दिनों से सुबह को रहती है गर्मी और दोपहर होने तक हवाएं हो जाती हैं ठंडी, फिर बादल छा जाते हैं और बरसात शुरू हो जाती है। इससे नए मौसम में आने वाले आम और काजू के बागों के किसानों को बड़ा नुकसान हो रहा है। बुधवार को कोंकण की ओर कूच करने से पहले मंगलवार को नासिक, धुले और जलगांव जिले में बेमौसम बरसात ने किसानों की रबी की फसलों का बड़ा नुकसान किया। किसानों ने मांग की है कि उनके नुकसान का पंचनामा तुरंत किया जाए और उनके नुकसान की भरपाई की जाए। किसान पहले ही लगातार हो रहे मौसम में बदलाव का नुकसान उठा रहे हैं। इस मौसम की मार का कोई हल दिखाई नहीं दे रहा है। बुधवार शाम से कोंकण में बरसात शुरू है। सिंधुदुर्ग शहर और इसके आस-पास बुधवार को दोपहर से ही तेज हवाओं के साथ बरसात शुरू हो गई। मौसम विभाग ने जैसा अनुमान जताया था वैसा ही हुआ। बिजली कड़की, बादल गरजे और बारिश शुरू हो गई। बरसात शुरू होने के आधे घंटे में ही सड़कों पानी-पानी हो गईं। इससे आम के बागों को कितना नुकसान पहुंचा है, किसान अब इस नुकसान का अनुमान लगा रहे हैं।

मानहानि मामले में कंगना को अंधेरी सेशंस कोर्ट से झटका

एक सेशंस कोर्ट ने बुधवार को बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत के उस आवेदन को खारिज कर दिया जिसमें गीतकार जावेद अख्तर के जरिए सबर्बन अंधेरी में मजिस्ट्रेट की कोर्ट से उनके खिलाफ दायर मानहानि मामले को ट्रांसफर करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने जावेद अख्तर के खिलाफ अंधेरी कोर्ट में दायर उनकी काउंटर-कंप्लेंट को कहीं और ट्रांसफर करने से भी इनकार कर दिया। सेकंड एडिशनल प्रिंसिपल और सेशंस जज (दिंडोशी) एस एस ओझा के जरिए पारित डिटेल्ड ऑर्डर तत्काल उपलब्ध नहीं था। कंगना रनौत ने अपने आवेदन में दावा किया था कि 10वीं मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट (अंधेरी) ने उन्हें उपस्थिति से स्थायी छूट नहीं देकर 'बायस और प्रीज्यूडिस' दिखाया था, और उनके खिलाफ 'जमानती और नॉन-कॉग्निजेबल ऑफेंस' के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने की धमकी दी थी।' अक्टूबर 2021 में, चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने इसी तरह की एक याचिका को खारिज कर दी थी, जिसके बाद उन्होंने सेशंस कोर्ट का रुख किया।

12-17 साल के किशोरों को लगेगी कोवोवैक्स

ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) की मंजूरी पिछले सप्ताह सीडीएससीओ की कोविड-19 पर विषय विशेषज्ञ समिति द्वारा 12 से 17 वर्ष की आयु के लोगों के लिए कोवोवैक्स को आपातकालीन उपयोग अनुमति देने की सिफारिश के बाद आई है। सरकार ने अभी तक 15 साल से कम उम्र वाले किशोरों को टीका लगाने पर कोई फैसला नहीं लिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने लगातार कहा है कि टीकाकरण की जरूरत और टीकाकरण अभियान में और लोगों को शामिल करने की लगातार समीक्षा की जाती है।

नवाब मलिक की बॉम्बे हाई कोर्ट से अपील

उन्होंने बताया कि लेकिन, मलिक अब पीड़ित है क्योंकि संपत्ति के मूल मालिक मुनीरा प्लम्बर ने संपत्ति की बिक्री के लिए पावर ऑफ अटॉर्नी देने के बारे में अपना मन बदल लिया है। मलिक के वकील ने कहा, उनकी रिहाई के बाद किसी भी तारीख को हम मामले की पूरी सुनवाई के लिए जाने को तैयार हैं, लेकिन कृपया उन्हें अंतरिम राहत प्रदान करें।

विश्व महिला दिवस के शुभ अवसर पर 'नेहरू युवा केंद्र' ने 'अभिनंदन समारोह' का किया आयोजन

मुंबई। नेहरू युवा केंद्र, युवा मामले मंत्रालय, भारत सरकार का नेटवर्क देश भर में 623 जिलों में कार्यरत है। इस केंद्र का 4 लाख स्वयंसेवकों का एक बहुत बड़ा संगठन है जो 'तरुण मंडल' एवं 'महिला मंडल' के रूप में सुविख्यात है। विश्व महिला दिवस के शुभ अवसर पर 'नेहरू युवा केंद्र' ने उन विशेष 10 महिलाओं को सम्मानित करने के लिए 'अभिनंदन समारोह' का आयोजन किया जो आत्मनिर्भर हैं और जिन्होंने अपने जीवन में सफलताओं के मुकाम हासिल कर लिए हैं। कार्यक्रम में उन्हें प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। यह अभिनंदन समारोह मराठी भाषा भवन, कलिना कैंपस, मुंबई विश्वविद्यालय में 8 मार्च 2022 को सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। डॉ नेहा जगतियानी जी, जो आर डी एवं एस एच नेशनल महाविद्यालय की प्राचार्या हैं, उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए 'लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह एक ऐसी महान हस्ती हैं जिन्होंने अपने विवेक, जिंदादिली एवं अथक प्रयासों से शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं और सतत क्रियाशील हैं।

मानव सेवा को समर्पित दलितों की सिरमौर हैं भीलवाड़ा की डॉ. सुनीता खोकर

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। मानव सेवा और इंसानियत के तौर पर सेवा कार्यों में जब किसी का नाम आता हैं तो आप भीलवाड़ा की डॉ. सुनीता खोकर को नहीं भूल पाएंगे! देश विदेश में अपनी पहचान बना चुकी व हर क्षेत्र में कई राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय अवार्ड प्राप्त कर चुकी डॉ. सुनीता खोकर भीलवाड़ा में किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं! देश व राज्य में कहीं पर भी दलितों पर होने वाले अत्याचारों को प्रमुखता से उठाने वाली डॉ. सुनीता खोकर विश्व वाल्मीकि धर्म संगठन की संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं! इस राष्ट्रीय संगठन के बैनर तले वह कई सारगर्भित मुद्दों को उठा चुकी हैं! देश में कहीं पर भी दलितों पर अत्याचार व किसी के भी साथ अन्याय हो वह कोई भी मुद्दा बड़ी तन्मयता के साथ उठाती हैं! अभी हाल ही में कोरोना जैसी वैश्विक बीमारी में भी अपने स्तर पर लोगों की हरसंभव मदद करने में पीछे नहीं रही हैं! जब राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ ने अपने कार्यक्षेत्र में अपने पति की भूमिका जाननी चाही तो वह बड़ी संजीदगी से बोली कि जनहित के सभी कार्यों में उनके पति संजय खोकर हरसंभव साथ देते हैं। गौरतलब हैं कि अपने क्षेत्र में खोकर को दलितों की मसिहा की रुप में जाना जाता हैं! उन्होंने राष्ट्रीय समाचार पत्र मुंबई हलचल के माध्यम से आज की सभी महिलाओं को संदेश दिया कि वो सभी अपने अपने हक व अधिकारों के प्रति सजग व सचेत रहें! सभी को शिक्षित रहते हुए संगठित रहने पर जोर दिया।

एमआईएम पार्टी ने औरंगाबाद शहर में विभिन्न पदों के लिए दिव्यांग सेल की नियुक्ति

संवाददाता/अशफाक युसुफ

औरंगाबाद। एमआईएम पार्टी ने औरंगाबाद शहर में विभिन्न पदों के लिए दिव्यांग सेल की नियुक्ति की गई है। एमआईएम शहर के अध्यक्ष पद पर पदोन्नत होने के बाद, शरीक नक्शबंदी पार्टी को मजबूत करने और जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं को एकजुटता करने के लिए, उन्होंने विभिन्न पदों के लिए नामांकित किया जा रहा है। इसी सिलसिले में एमआईएम दिव्यांग सेल की स्थापना की गई है और इस सेल में विभिन्न पदों के लिए विकलांग कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की गई है। औरंगाबाद शहर के अध्यक्ष शारिक नक्शबंदी के हाथों मोहसिन खान एमआईएम दिव्यांग सेल औरंगाबाद शहर अध्यक्ष एवं शेख एजाज शेख मुस्ताक एमआईएम दिव्यांग सेल सेंट्रल सिटी अध्यक्ष तथा शेख वसीम पूर्व शहर अध्यक्ष पद पर नियुक्ति औरंगाबाद नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष श्री फिरोज खान की उपस्थिति में की गई है। अबू हुसैन हाशमी व उपस्थित थे।

कैप्टन राठौड़ को राजस्थान सैनिक कल्याण बॉर्ड का सदस्य बनाए जाने पर स्वागत किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। कैप्टन भंवर सिंह राठौड़ को सैनिक कल्याण बोर्ड राजस्थान के सदस्य बनाने पर ग्रामीणों ने भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया। कुचामन सिटी के समीपवर्ती चितावा के कैप्टन भंवर सिंह राठौड़ को सैनिक कल्याण बोर्ड राजस्थान के सदस्य राज्य सरकार द्वारा बनाए जाने पर ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। वही ग्रामीणों ने राठौड़ का साफा व माला पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर सूबेदार मेजर बजरंग सिंह राठौड़, सूबेदार जब्बर सिंह राजावत, सूबेदार मेजर बजरंग सिंह राठौड़ व शुभराज डिफेंस अकैडमी के संचालक रघुवीर सिंह, हवलदार जगमाल सिंह, सरपंच मनोज कुमार चितावा, सरपंच मनोज कुमार नगवाड़ा, सुबेदार ओम सिंह गोपालपुरा, अध्यापक हेमाराम चौधरी, हरि सिंह राठौड़, हवलदार आनंद सिंह राजावत, कैप्टन रेखा राम, चीफ पेटी ऑफिसर मदन लाल थोरी, मदन सिंह, जीवन सिंह, सुरेंद्र सिंह, घीसू सिंह. सूबेदार सुरजा राम, सत्यनारायण पारीक, भैरु सिंह राजावत सहित ग्रामीण उपस्थित थे। उक्त जानकारी जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार एवं भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव श्री गणेश नारायण शर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

एमएलसी पद के चुनाव के लिए लिए बुधवार से नामांकन प्रारंभ

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। बिहार विधान परिषद चुनाव के मद्दे नजर बुधवार को समाहरणालय सभा कक्ष में मीडिया कर्मियों के साथ जिला धिकरी योगेंद्र सिंह ने प्रेस वार्ता किया। जिलाधिकारी ने कहा कि आज से नामांकन कि प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है जो अगले 16 मार्च 2022 तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि आज प्रथम दिन किसी भी उम्मीदवारों ने नाम जदगी का पर्चा दाखिल नहीं किया। उन्होंने कहा कि एमएलसी पद के लिए नामांकन कि अवधि प्रवाहन 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक जिलाधिकारी के कक्ष में लिया जाएगा। डीएम ने कहा कि नामांकन कि अंतिम तिथि 16 मार्च 2022 तक है। उन्होंने कहा कि मत पत्रो कि जांच 17 मार्च को है और जो उम्मीदवार अपना नाम वापस लेना चाहेंगे वह 21 मार्च तक नाम वापस ले सकते है। जिलाधिकारी ने कहा कि मतदान अगले माह प्रथम सप्ताह के 4 अप्रैल को सम्पन्न कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मतदान सुबह 8 बजे से अपराह्न 4 बजे तक होगा। वहीं डीएम ने कहा कि एमएलसी पद के लिए मतगणना 7 अप्रैल 2022 को सम्पन्न कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि नामांकन के समय अभियर्थी मात्र दो प्रस्तावक के साथ रहेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य विधान परिषद सदस्य पद के लिए उम्मीदवार भारत का नागरिक हो, उम्मीदवार कि आयु कम से कम 30 वर्ष हो तथा सम्बन्धित राज्य के वर्तमान निर्वाचन सूची में नाम अवश्य दर्ज हो। अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि विधान परिषद सदस्य चुनाव के लिए सारी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

लूटपाट करने वाला गिरोह गिरफ्तार!

10 लाख 80 हजार की संपत्ति जब्त, 36 अपराध का खुलासा

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाना। जिले व अंर्तजिला में जबरी चोरी करने वाले चार लुटेरों के गिरोह को स्थानीय अपराध शाखा ने 7 मार्च, 2022 को 4 व्यक्तियों के गिरोह को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। कार्रवाई में आरोपियो के कब्जे से कुल 10 लाख 80 हजार रुपये जब्त किए गए हैं, जबकि करवाईमें बुलडाना जिले सहित अंतर जिले से कुल 36 मामले उजागर हुए हैं। विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार जिला पुलिस अधीक्षक अरविंद चावरिया ने बकराया रोड पर खड़े वाहनों से बैटरी चोरी की जांच के लिए पुलिस महानिरीक्षक बलिराम गीते को जांच दल गठित करने का निर्देश दिया है.टीम को मिली पुख्ता जानकारी के अनुसार शैलेश विजय राठोड, रा. चाणी कामठवाडा ता. दारव्हा जि. यवतमाळ ह.मु. सिध्देश्वरनगर, बादल गोकुल शेरे, रा लाखाळा, ता जि वाशिम, विलास रोहीदास चव्हाण, रा. रांजणी ता. घनसावंगी जि. जालना, अर्जुन प्रकाश चव्हाण, रा . खा परखेड धुले ता. लोणार जि. बुलडाणा 10 बैटरियां, लगभग 1 लाख रुपये मूल्य की, चार पहिया वाहन जिसकी कीमत करीब 5 लाख रुपये इस तरह से कुल 10 लाख 80 हजार रुपये है।

महिला अधिवक्ताओं द्वारा महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया गया

भीलवाड़ा में अधिवक्ता परिषद द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। अधिवक्ता परिषद मीडिया प्रभारी पीरू सिंह गौड़ ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि अधिवक्ता परिषद अध्यक्ष रघुनंदन सिंह कानावत के नेतृत्व में अंतरर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन महेश छात्रावास में आयोजित किया गया! मुख्य अतिथि विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट एन. आई.एक्ट संख्या-3 कंचन राजावत, विशिष्ट अतिथि विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट एन आई एक्ट संख्या-4 विनीता कालिया, मुख्य वक्ता वंदना उदावत (अधिवक्ता परिषद महिला प्रमुख राजस्थान प्रान्त), वरिष्ठ अधिवक्ता सुमित्रा कांटिया, पुष्पा ओरडिया, मनोरमा बारू, वंदना चोखडा, कीर्ति सोलंकी ने भारत माता की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर, दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती कंचन राजावत ने महिलाओं के अधिकार व कानूनों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाएं न्यायिक क्षेत्र में भी अपना परचम लहरा रही हैं। मुख्य वक्ता वंदना उदावत ने महिला होने का वास्तविक अर्थ बताया महिला की मूल से जागृति के बारे में बताया। महिलाए संस्कारो व समाज की जड़े मजबूत करने का स्तम्भ हैं। अधिवक्ता परिषद की महिला इकाई द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता पुष्पा आर्डिया, सुमित्रा कांटिया, मनोरमा बारू, ज्योति जागेटिया का माला, उपरना व मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत भीलवाड़ा जिले की 40 महिला प्रतिभाओं का मंचासीन अतिथियों द्वारा सम्मानित किया। इस दौरान अधिवक्ता परिषद महासचिव राजेश सामरिया, कोषाध्यक्ष आदित्यनारायण जाजपुरा, राजकुमार शर्मा, सुरेश सुवालका, बार एसोसिएशन पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र कचोलिया, विधि प्रकोष्ठ संयोजक हेमेंद्र सिंह राणावत, सह संयोजक सुरेश पालीवाल, राजकुमार सोनी, हेमलता राव, नीलम बाहेती, गायत्री साहू, शीतल शर्मा, सहित महिला अधिवक्ताओ ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी पीरु सिंह गौड़ ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

फरोग ए उर्दू के ठेकेदारों ने चंद सिक्कों के लिए अपनी जमीर बेच डाला : मो० मुस्तफा

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। फुरोग ए उर्दू सेमिनार का आयोजन समस्तीपुर के टाउन हॉल में हुआ, इस सेमिनार से पत्रकारों और उर्दू प्रेमियों को कोसो दूर रखा गया। ये बातें कारी मुहम्मद मुस्तफा, प्रखंड सचिव अंजुमन उर्दू तरक्की बिहार दलसिंहसराय ने कहा। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण जिले से उर्दू शिक्षकों की उपस्थिति हुई उसमें भी शिक्षकों घंटों खड़े रहे लेकिन उनके बैठने की व्यवस्था ठीक से नहीं की गई, शिक्षकगण इधर उधर टाउन हाल से बाहर ही अपनी गाड़ी पर बैठ कर शरीके सेमिनार समझते रहे, लेकिन उर्दू के उन सोदागरों को कोई फर्क नहीं पड़ा, उन जमीर फरोशो की गैरत मुर्दा हो गई, पिछले साल भी इसी तरह उर्दू प्रेमियों और पत्रकारों को फुरोग ए उर्दू सेमिनार से दुर रखा गया था, उस वक्त उन बैगैरतों चंद सिक्कों में उर्दू के इज्जत की नीलामी करने वालों ने आश्वासन दिया था कि भविष्य में ऐसा नहीं होगा पर जमीर फरोशों ने वही हरकत की। उससे उर्दू का फुरोग कितना होगा यह तो आने वाला समय ही बताएगा पर मकाला निगार की जेब जरूर भर गई, उर्दू का जनाजा इसी किस्म के जमीर फरोश पढेगें और पढ़ाएगे, गजब की बात तो यह है कि जब हमने इस संबंध में कुछ उर्दू के ठेकेदारों से बात की, फरोग ए उर्दू सेमिनार व मुशायरा का प्रचार प्रसार क्यों नहीं किया गया तो उन्होंने हमें बहुत ही अच्छे अंदाज में समझाया कि इस प्रोग्राम में ज्यादा लोगों की उपस्थिति पर उपर से ही मना है हालात ठीक नहीं है इसलिए प्रचार प्रसार नहीं किया गया।

वरिष्ठ पत्रकार संपत जाधव के सोसाइटी के चुनाव में विजयी होने पर सम्मान किया गया

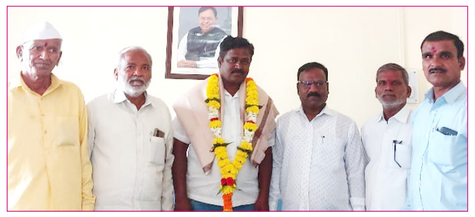

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। तेहसिल कडेगाव के ग्राम आसद के आसद सर्व सोसाइटी के पंचवर्षीय चुनाव के लिए जय हनुमान पेनल आसद के उमीदवार प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के सदस्य एंव खबरें आजतक लाईव न्यूज चैनल के संवाददाता संपत आनंदराव जाधव के संचालक पद के लिए विजय होने की खुशी में संपत राव जाधव का सम्मान भूतपूर्व जिला परिषद सदस्य मान्य श्री सुरेश मोहिते, पत्रकार संघ के अध्यक्ष मान्य श्री मोहन मोहिते उर्फ भाऊ, ग्राम-वांगी के भूतपूर्व उप सरपंच श्री संजय कदम एवं वांगी ग्राम के सोसाइटी के भूतपूर्व चेयरमैन श्री हनुमंत राव मोहिते द्वारा पुष्प हार एवं श्रीफल से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार संपत जाधव ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि वह समाज हित में हमेशा जनता के लिए मुश्किल दौर में खड़े रहेंगे।

श्रीगंगानगर के जवाहर नगर थाने की कांस्टेबल सुमन जाखड़ सम्मानित

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। एग्रो मंथन आज तक लाइव राष्ट्रीय समाचार पत्र एवं न्युज चैनल द्वारा श्रीगंगानगर के जवाहर नगर थाने की कांस्टेबल सुमन जाखड़ को सम्मानित किया गया हैं! आपको जानकारी के लिए बता दें कि क्षेत्रीय वरिष्ठ पत्रकार पुष्पा भाटी ने अपने स्तर पर श्रीगंगानगर का सर्वे किया तो सभी पुलिस थानो में से सर्वश्रेष्ठकार्यशैली भी सुमन जाखड़ पाई गई। सुश्री पुष्पा भाटी ने महिला दिवस पर महिलाओं के बारे में भावनाएँ जाननी चाही तो तो महिलाओं को निडर रहने की बात कहते हुए कहा कि हम पुलिस महिलाओं के साथ हैं! डरे नही! इसलिए हाई कमान ने सखी योजना बनाकर सारी कमान आस - पास की रहने वाली महिलाओं के हाथ सौंप दी गई है। अब महिलाएँ डरे नही संघर्ष करें। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार सुश्री पुष्पा भाटी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आसींद शहरी जल योजना की 2 करोड़ 50 लाख की वित्तीय स्वीकृति जारी

क्षेत्रीय विधायक जब्बर सिंह सांखला ने प्रश्नकाल के दौरान रखी थी माँग

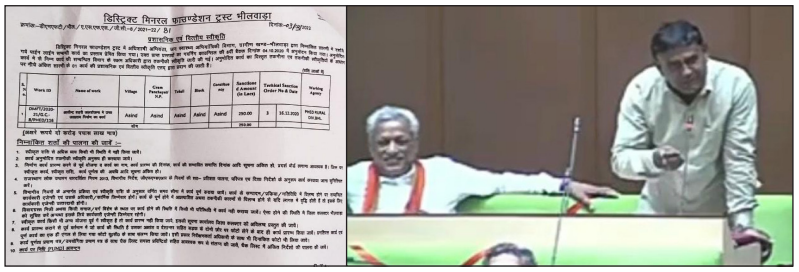

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। 15 वी विधानसभा के सप्तम सत्र में क्षेत्रीय विधायक जब्बर सिंह सांखला ने प्रश्नकाल के दौरान प्रमोद जैन मंत्री से नगर पालिका आसींद में वार्ड नंबर 4 शकूर कॉलोनी, 14 हरिजन बस्ती, 22 नई आबादी, 25 राजकीय विद्यालय के पास मैं नवीन पेयजल जलाशयों का निर्माण डीएमएफटी फंड से करवाने की मांग रखी। जिस पर मंत्री ने सदन में जवाब देते हुए कहा कि माननीय सदस्य जब्बर सिंह सांखला की मांग पर 3 मार्च 2022 को उक्त चारों नवीन पेयजल जलाशय की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जिला कलेक्टर भीलवाड़ा द्वारा डीएमएफटी फंड से 2 करोड़ 50 लाख की राशि जारी कर दी गई है। माननीय सदस्य द्वारा पेयजल संबंधित शहरी क्षेत्र का जो विषय बताया वह काफी गंभीर हैं इस विषय की गंभीरता को देखते हुए मंत्री ने संबंधित जलदाय विभाग के मंत्री महोदय को पत्र लिखकर अति शीघ्र कार्य प्रारंभ करवाने की बात कही। माननीय मंत्री ने उक्त कार्य का विलंब का जवाब देते हुए कहा कि उक्त कार्य के प्रस्ताव 2 योजनाओं में सम्मिलित होने से स्वीकृति नहीं हो पाई हैं। विधायक जब्बर सिंह सांखला द्वारा पूर्व में भी विधानसभा सत्र में नवीन उच्च जलाशय के निर्माण की मांग को विधानसभा के पटल पर रखा था जो मांग आज पूर्ण हुई। विधायक सांखला ने बताया कि नगर पालिका आसींद में नवीन आबादी विस्तार अनुसार पेयजल संकट की दिक्कत को देखते हुए नवीन उच्च जलाशय का निर्माण आवश्यक था एवं वर्तमान में भी आमजन को पेयजल संबंधित संकट बना हुआ था जिससे शहरी क्षेत्र वासियों को समय पर पेयजल उपलब्ध होगा एवं समस्या से निजात मिलेगी। उक्त कार्य स्वीकृत होने से आसींद नगर वासियों में हर्ष का विषय है। उक्त जानकारी गुलाबपुरा के रावणा राजपूत समाज के कार्यकर्ता विजय सिंह पंवार ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं

मुस्लिम महासंघ महिला विंग ने महिला सीआई का किया सम्मान

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

कोटा। मुस्लिम महासंघ प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद दानिश अली ने बताया कि मुस्लिम महासंघ महिला विंग जिलाध्यक्ष मुनावरुन्निसा की अध्यक्षता में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में थाना कोटा शहर के महिला सीआई श्रीमती चन्द्रज्योति शर्मा मेडम का गुलदस्ता व मिठाई भेंट करके मुस्लिम महासंघ टीम की तरफ से सम्मान किया। इस मौके पर मुस्लिम महासंघ प्रतिनिधि फैजी खान, परवीन आरिफ आदि उपस्थित रहे।

महिला प्रकोष्ठ बिहार की अध्यक्षा डा. स्मिता शर्मा की अध्यक्षता में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस सम्मान समारोह का आयोजन

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बिहार,पटना। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के मुखिया माननीय केन्द्रीय मंत्री श्री पशुपति कुमार पारस जी के आदेशानुसार महिला प्रकोष्ठ बिहार की अध्यक्षा डा. स्मिता शर्मा की अध्यक्षता में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम के दौरान महिला प्रदेश अध्यक्षा डा. स्मिता शर्मा से बातचीत के उपरांत उन्होंने कहा हमारे समाज और विकास की पुरी नारी होती है। महिलाओं के विकास के बिना देश का विकास नहीं हो सकता इसलिए नारी को जगत जननी भी कहा जाता है। नारी हर रूप में अपने समाज में विभिन्न किरदारों का निष्ठापूर्वक अपने कर्तव्यों का पालन करती है। वेद पुराणों में भी कहा गया

है कि देश की संस्कृति को समझना है तो सबसे पहले उस देश की महिलाओं को जरूर जानना चाहिए। देश और समाज की उन्नति का एक ही रास्ता है वह है महिलाओं और बेटियों को जागरूक करना आज मैं अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मैं उन सभी महिलाओं को नमन करती हूँ जो देश-विदेश में अपना परचम लहराते और पुरुषों के साथ कदम में कदम मिला कर चल रही है। मैं पुरे समाज में अनुरोध करना चाहती हूँ कि बेटियों की शिक्षित करे एक बेटी जब शिक्षित होती है तो पुरे समाज का उदार करती है। वक्त आने पर वीरांगना का रूप धारण कर के देश की भी रक्षा करती है।अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समाज के उन महिलाओं को भी सम्मानित किया जो समाज में विभिन्न किरदारों को निभाते हुए समाज में अपना योगदान दे रही है।

एक रुपया रोज सेवा संस्था ने विभिन्न क्षेत्र में कार्यक्रत महिलाओं का किया सम्मान

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। समाज को जागरूकता के संदेश देने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक रुपया रोज सेवा संस्था की ओर विभिन्न सरकारी सेवाओं, सामाजिक एवं प्रशासनिक विभाग में कार्यक्रत महिलाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया,संस्था के संस्थापक सिकन्दर राठौड़ ने बताया कि आज के कार्यकम में कमला अदलान, वंदना भारद्वाज, नीतू सिंह, वसीम खिलजी, सुमन छाजेड़, उषा कवंर, नूरजहां कादरी का मोमेन्टो दे कर सम्मान किया गया, कार्यक्रम में दिनेश दिवाकर, सीमा शर्मा, अंजुमन कादरी, शिवांगी भारद्वाज,मुमताज शेख, मंजुलता रावत, चचंल सेन, मुमताज बानो, मनोज कुमार,दलजीत सिंह, रियाज खिलजी आदि मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा लगाया गया स्वास्थ्य

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

भोपाल। भारत की जानी-मानी संस्था कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा कौशल विकास संचनालय मध्य प्रदेश तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मध्यप्रदेश शासन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में शासकीय संभागीय आईटीआई भोपाल कैंपस में स्थित कार्यालय में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी के द्वारा लगाया गया स्वास्थ्य

शिविर में शासकीय मलेरिया डिपार्टमेंट के द्वारा डेंगू एवं मलेरिया की जांच भैया मियां सैयद साजिद अली एवं उनके स्टॉप के द्वारा की गई आई चेक अप प्रकाश आई हॉस्पिटल के डॉक्टर द्वारा की गई माननीय डॉक्टर एम एस राजपूत डॉ महेश जाटव शालू वंशकार दीपक रैकवार, उमर खान, सिकंदर बैग के द्वारा आई चेकअप किया गया दंत चेकअप डेनेशिया हॉस्पिटल के डॉक्टरों द्वारा दंत चेकअप किया गया जिसमें मुख्य रुप से उपस्थित डॉक्टर पूजा त्रिपाठी डॉक्टर अनुपमा शुक्ला रक्षा सिंगरौली हूलसी साहू दंत चेकअप किया गया जनरल चेकअप डॉक्टर आफरीन अली के द्वारा जनरल चेकअप किया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में कौशल विकास संचनालय मध्य प्रदेश के संचालक माननीय जितेंद्र सिंह राजे (आई. ए.एस) संचालक कौशल विकास संचनालय मध्य प्रदेश माननीय श्रीकांत गोलाईत(प्राचार्य) शासकीय संभागीय आईटीआई भोपाल के द्वारा सभी डॉक्टरों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया संस्था अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी शेख फैयाज को शील्ड एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया सभी कैंपस में स्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संस्था का आभार व्यक्त किया एक छोटा सा प्रयास स्वस्थ जीवन का आधार।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

खून के अशुद्ध और गाढ़ा होने की समस्या को इन नुस्खो से करें दूर

इस भागदौड़ भरी जिंदगी में किसी के पास अपने लिए समय ही नहीं है। जिससे गलत डाइट और एक्सरसाइज न करने का सीधा असर सेहत पर दिखाई देता है। समय पर खाना न खाना या व्यायाम न करने पर बीमार पड़ता तो जाहिर सी बात है लेकिन गलत-खान पान के कारण आप रक्त विकारों का शिकार भी हो सकते है। खून शरीर के अंगो में ऑक्सीजन सप्लाई करके आपको स्वस्थ रखता है। ऐसे में खून में गड़बड़ी रक्त के थक्के जमना या खून के गाढ़ा होने से आप कोलेस्ट्रॉल और दिल के रोग जैसी बीमारियों की चपेट में भी आ सकते है। कुछ लोग तो इस समस्या को दूर करने के लिए दवाइयों तक का सेवन करते है लेकिन कुछ कारगार घरेलू तरीके से भी इन रक्त विकारों को दूर किया जा सकता है। आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताएंगे, जिससे आप रक्त विकारों को बिना किसी नुकसान के दूर कर सकते है।

रक्त विकार के कारण

आयरन की कमी
अनुवांशिक
कमजोर लीवर
हार्मोन बदलाव
गलत आहार
डायबिटीज
तनाव
पानी की कमी

रक्त विकार के लक्षण

लगातार बीमार रहना
भूख ना लगना
वजन कम होना
त्वचा रोग
दृष्टि कमजोर हो जाना

बाल झाड़ना
प्रतिरोधक क्षमता कम होना

रक्त विकार के घरेलू उपचार

1. आंवला

विटामिन सी के गुणों से भरपूर आंवला का सेवन शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालता है और नए रक्त बनाता है।

2. नींबू

दिन में 3 बार गर्म पानी में नींबू मिलाकर सेवन करें। इससे आपके सभी प्रकार के रक्त विकार दूर हो जाएंगे।

3. मुनक्का

25 ग्राम मुनक्के को रातभर भिगो दें। सुबह इसे पीसकर 1 कप पानी में मिलाकर रोजाना पीएं। इससे आपकी यह समस्या दूर हो जाएगी।

4. एलोवेरा

25 ग्राम एलोवेरा का ताजा रस में 12 ग्राम शहद और आधे नींबू का रस मिलाकर सुबह शाम पीने से रक्त विकार दूर होते है।

5. करेला

दिन में 2 बार ताजे केरेले का जूस का सेवन भी सभी प्रकार के रक्त विकारों को दूर करता है।

6. प्याज

1/4 कप प्याज के रस में नींबू शहद मिलाकर लगातार 10 दिन तक सेवन करें। यह रक्त विकारों को दूर करके खून साफ करने में मदद करता है।

7. नीम

नीम के पत्ते, निम्बोली छाल और जड़ को उबाल कर दिन में 1 बार पीएं। इससे रक्त विकार के साथ आपकी कई समस्याएं दूर हो जाएगी।

डैंड्रफ हो जाएगा जड़ से खत्म, अपनाएं यह घरेलू नुस्खा

खूबसूरत, घने और लंबे बाल तो हर लड़की पाना चाहती है। मगर आजकल बालों में होने वाली परेशानियों के कारण बाल झड़ने और डैंड्रफ जैसी समस्याए हो जाती है। लड़के और लड़कियां दोनों डैंड्रफ की समस्या को दूर करने के लिए मंहगे प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते है लेकिन किसी से भी यह समस्या दूर नहीं होती। ऐसे में आज हम आपको डैंड्रफ की समस्या को दूर करने के लिए एक ऐसा उपाय बताने जा रहें है, जिससे बिना किसी नुकसान के यह समस्या दूर हो जाएगी। तो आइए जानते है डैंड्रफ को जड़ से खत्म करने का आसान घरेलू तरीका।

इसलिए होती है डैंड्रफ की परेशानी

स्कैल्प में डैड सेल्स जमा होने के बाद वो ड्राय हो जाती है, जिससे सिर में फंग्स और इंफेक्शन हो जाती है। इसके कारण आपके बालों में डैंड्रफ की समस्या हो जाती है। ऐसे में आपको अपनी डाइट में जिंक, ओमेगा-3 फैटी एसिड और विटामिन्स वाली चीजें शामिल करनी चाहिए।

डैंड्रफ को दूर करने का घरेलू तरीका

एक कटोरी में नींबू का रस निकाले लें। इसके बाद इसमें गर्म पानी और सी सॉल्ट मिक्स करें। इस मिक्चर को स्कैलप पर लगाकर मसाज करें और 30 मिनट के लिए छोड़ दें। इसे बाद बालों को शैम्पू सेधोकर कंडीशनर कर लें। हफ्ते भर इसका इस्तेमाल करने से आपके डैंड्रफ की समस्या दूर हो जाएगी। इसके अलावा आपको यह समस्या दोबारा नहीं होगी।

एंटी एजिंग प्रॉडक्ट्स लेने से पहले जरूर जानें यह बातें

लड़कियों की उम्र जैसे-जैसे बढ़ती जाती है उन्हें वैसे ही अपनी ब्यूटी की चिंता भी परेशान करने लगती है। उम्र के हिसाब से चेहरे पर पड़ने वाली झुर्रियो को छुपाने के लिए वह कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करती है और इन्हें खरीदने के लिए विज्ञापनों में किए झूठे वादों पर विश्वास कर लेती है। जिसके बाद में उन्हें फायदा होने की बजाए नुकसान झेलना पड़ता है, इसलिए एंटी एजिंग प्रॉडक्ट्स खरीदने से पहले उसके इंग्रेडियंट को ध्यान से जरूर पढ़ लेना चाहिए ताकि कौन-सा इंग्रेडियंट आपके लिए फायदेमंद है और कौन-सा नहीं। जिसे इस्तेमाल करके आपके चेहरे पर किसी तरह का साइड-फैक्ट न हो।

1. मॉश्चराइजिंग ऑयल

अगर आप एंटी एजिंग प्रॉडक्ट्स खरीदने जा रहे हैं तो सबसे पहले यह देख लें कि उसमें मॉश्चराइजिंग ऑयल है भी कि नहीं। अगर नहीं तो यह फेस पर ग्लो लाने के लिए बिल्कुल भी कारगर नहीं है। चेहरे को मॉश्चराइजिंग करने के लिए जोजोबा ऑयल, कोकोनट ऑयल, अलमंड ऑयल आदि प्रमुख स्त्रोत माने जाते हैं। जिसे इस्तेमाल करके उम्र से ज्यादा जवान दिखा जा सकता है।

2. पैराफिन्स से रहें दूर

एंटी एजिंग प्रोडक्ट्स खरीदने से पहले यह बात जरूर जान लें कि इसमें पैराफिन्स का इस्तेमाल तो नहीं किया गया। पैराफिन्स युक्त क्रीम लगाने पर चेहरे पर उसी समय चमक तो जरूर आ जाती लेकिन बाद में इसका नुकसान भी होता है। इसके इस्तेमाल से त्वचा के रोम छिद्र बंद हो जाते हैं। जिसके कारण स्किन पर उम्र का असर और ज्यादा दिखने लगता है।

3. रेटिनॉयड्स का रखें ख्याल

इस बात पर ध्यान जरूर दें कि आप जो एंटीएजिंग क्रीम इस्तेमाल कर रही है, वह रेटिनॉयड्स युक्त है भी कि नहीं। इसे विटामिन ए का एक रूप माना जाता है। यह कई तरह की स्किन प्रॉब्लम को ठीक रखता है। इसके इस्तेमाल से फेस पर कील, मुंहासे की समस्या नहीं होती साथ ही में इसे लगाने से चेहरे का ब्लड सकुर्लेशन ठीक रहता है। जिसके कारण स्किन चमकदार, कसी हुई और खूबसूरत दिखती है।

4. किरेटिन

किरेटिन युक्त क्रीम लगाने से चेहरे की डेड स्किन सेल्स हट कर नई और स्वस्थ त्वचा का निर्माण होता है। जिससे आप जवान दिखने लगते है।

5. अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड

अगर आपके चेहरे पर झुर्रियां और झाइयां हो रही है तो आप अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड युक्त क्रीम इस पर अप्लाई करें। यह चेहरे की डेड स्किन को हटाकर नई स्किन में बदल कर चेहरे पर चमक लाने में काफी मददगार है।

6. कॉपर पेप्टाइड्स

जब आपकी स्किन ढीली पड़ने लगे तो ऐसे एंटी-एजिंग प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करें, जिसमें कॉपर पेप्टाइड्स हो। यह ढीली त्वचा को टाइट करने में काफी मददगार है। इसलिए इसके इस्तेमाल से त्वचा की झुर्रियां से छुटकारा पाया जा सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मदिना मुनव्वरा साउदी खजूर

होलसेल के दाम, डोर टु डोर डिलीवरी कुरीयर के जरीये

सभी दाम Per kg

कुरीयर चार्ज अलग से

अजवा जम्बो	1050	अजवा स्मोल	585
अजवा (अे) रेग्युलर	780	कल्मी रेग्युलर	495

zam zam water 5 Ltr. is available

मिनीमम ओर्डर 1kg

5 kg पर 1 kg फ्री

DELUXE

ऑर्डर करने के लिए संपर्क करें : 9619102478

ZEHRA CLOSET

DEALER OF PAKISTANI BRANDED SUITS

WELCOMES YOU TO THE

Ramzan Mela

ORGANISED BY SIS EVENTS AND EXHIBITIONS

MARCH | SAT 12 | 2022

CUTCHI MEMON JAMAT HALL
KAMBEKAR ST, MOHD.ALI ROAD,MASJID BUDER (W) MUMBAI 400 003

FREE MEHENDI | FREE HAIR AND SKIN CHECKUP | LUCKY DRAW | FOOD

CONTACT - BUSHRA : +91 7042516879